

**3 (Sem-5/CBCS) HIN-RE 3**

**2 0 2 1**

( Held in 2022 )

**HINDI**

Paper : HIN-RE-5036

( पूर्वोत्तर भारत में हिन्दी )

( Regular Elective )

*Full Marks : 80*

*Time : 3 hours*

*The figures in the margin indicate full marks  
for the questions*

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए :  $1 \times 10 = 10$
- (क) असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी की स्थापना किस ईस्वी को हुई थी?
- (ख) असम राज्य राष्ट्रभाषा प्रचार समिति का मुख्य कार्यालय कहाँ पर स्थित है?
- (ग) भुवन चंद्र गौ द्वारा स्थापित 'असम पॉलिटेक्निक इंस्टिट्यूशन' को किस विश्वविद्यालय की संबद्धता प्राप्त थी?
- (घ) 'राष्ट्रसेवक' एकभाषी पत्रिका है या द्विभाषी?

( 2 )

- (ड) केन्द्रीय हिन्दी संस्थान के पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केन्द्रों की संयुक्त पत्रिका का नाम क्या है?
- (च) 'राह और रोड़े' उपन्यास के रचयिता छगनलाल जैन का जन्म किस ईस्वी को हुआ था?
- (छ) "आप लोग मुझे इतना लज्जित न करें माँ जी! मैंने कोई अनोखा काम नहीं किया।" यह कथन किसका है?
- (ज) बाबू ललित चंद्र शर्मा के नौकर का नाम क्या है?
- (झ) कमलदेव नारायण का स्वर्गवास कब हुआ था?
- (ञ) जूही की कली कहाँ खिली थी?
2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए :  $2 \times 5 = 10$
- (क) असम राष्ट्रभाषा सेवक संघ की किन्हीं दो प्रमुख गतिविधियों का उल्लेख कीजिए।
- (ख) 'सेटीनल' अखबार कहाँ से निकलता है? इसके संपादक कौन हैं?
- (ग) छगनलाल जैन ने किस हिन्दी साप्ताहिक पत्रिका का संपादन किया था? कब से कब तक उन्होंने इस दायित्व का निर्वहण किया था?
- (घ) "एक हृदय हो भारत जननी" —का तात्पर्य क्या है?
- (ङ) "पाप की कमाई जल रही है।" इस टिप्पणी का संदर्भ स्पष्ट कीजिए।

( 3 )

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के संक्षिप्त उत्तर दीजिए :  $5 \times 4 = 20$
- (क) लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै की हिन्दी-सेवा पर प्रकाश डालिए।
- (ख) मणिपुर में हिन्दी के प्रचार-प्रसार की सामान्य जानकारी दीजिए।
- (ग) अरुणाचल प्रदेश में हिन्दी की स्थिति पर प्रकाश डालिए।
- (घ) नागालैंड में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए हो रही गतिविधियों पर चर्चा कीजिए।
- (ङ) 'भिण्डी के फूल' नामक गद्यकाव्य का संदेश क्या है?
- (च) 'राह और रोड़े' उपन्यास के उद्देश्य का खुलासा कीजिए।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

10

जो अपने मन को वश में नहीं रख सकता, जो संसारी प्रलोभनों के सामने झुक जाता है, उसे प्रचारक बनने का कोई अधिकार नहीं। प्रचारक की जिन्दगी साधना की जिन्दगी है, त्याग और संयम की जिन्दगी है।

अथवा

तुम खिलकर मानव की तृषा बढ़ाती हो, मैं मुरझाकर तृषा बुझाती हूँ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के सम्यक् उत्तर दीजिए :

10×3=30

- (क) स्वतंत्रता-प्राप्ति के पश्चात् असम में किस प्रकार हिन्दी का प्रचार-प्रसार होता आ रहा है, उस पर सम्यक् चर्चा कीजिए।
- (ख) असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी द्वारा संचालित परीक्षा-संबंधी गतिविधियों पर प्रकाश डालिए।
- (ग) केन्द्रीय हिन्दी संस्थान की गुवाहाटी शाखा द्वारा संपादित किए जाने वाले कार्य-कलापों के बारे में बताइए।
- (घ) 'राह और रोड़े' उपन्यास के कथानक को संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए।
- (ङ) रेणु की चारित्रिक विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।
- (च) भाषा-शैली और कलापक्षीय सौन्दर्य की दृष्टि से 'भिण्डी के फूल' पर सोदाहरण चर्चा कीजिए।

★ ★ ★